. संबाहि विविध्य मिन्न /87-87/42348. - चूंबि हिरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं सिव हिरियाणा राज्य विजली बोर्ड; जण्डीगढ़, र. (2) चीफ इंक्लिनियर, हाईडल प्रोजैक्ट, हरियाणा राज्य विजली वोर्ड, यमुनानगर के श्रिमक श्री नौराती राम, पुत्र श्री रणजीत सिंह, गांव कन्जन, डा॰ झूबाल, जिला कुरक्षेत्र तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले में कोई भौद्योगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसिलवे अन्द्रश्मी सोगिक विनाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई-शक्तियों का प्रयोग करते हुये हिरियाणा कि राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 3(44)84-3-अम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984, द्वारा उस्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, श्रम्बाला, को निवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा । मामजा न्यायनित्रैय एवं पंचाद तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उन्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है न्या निवाद से सुसंगत । अथवा सम्बन्धित मामला है :---

क्या श्री नौरती. राम की सेवा समाप्त की गई है या उसने कार्य से स्वयंही गैर-हिजर हो कर नौकरी से स्राना पूर्णप्रहणिवकार (लियन) खोया है ? इस विन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?

सं ग्रो० वि० एक डी 131-87/42355: ---चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं० स्काईटोन इलैक्ट्रोकल्स इण्डिया, 43, एन० ग्राई० टी०, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री शिव बदन मार्फत श्री सत्यनारायण शर्मा, जिला न्यायालय परिसर सैक्टर 15, फरीदाबाद तथा प्रवत्यकों के मध्य इस में इस के बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीदोगिक विवाद है;

भोर म पूंकि वृद्धियाका ए के संज्याचा कहस क विवाद को न्यायानिर्मय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, श्रोबीगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियामा के राज्यपान इस के द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित श्रीद्योगिक श्रिक्करण, हरियामा, फ़रीदाबाद, को नीचे बिनिदिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं प्रयचा- विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हैत् निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री शिव बदन की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो यह किस राहत का हकदार है ?

सैं॰ भो॰ बि॰/एफ.डी./140-87/42362. — चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं॰ सिदाना इन्जीनियरिंग वर्कस प्लाट नं॰ 171, सैक्टर 24, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री सोने लाल, मार्फत श्री मुनीर कन्द्रैक्टर पटवारी फार्म सैक्टर 25, बल्लबगढ़, (फरीदाबाद) , तथा , उसके प्रमन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित भागले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भीर पू'िक हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इत अलिए, अब, श्रीव्योगिकावियाद !अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्रोस् प्रदान की गई का प्रयोग का प्रयोग का है एउहरियां में उराज्यपाल इसके द्वारा उनत प्रधिनियम की धारा 7क के श्रधीन गठित श्रीद्योगिक व्यक्तिरण, हरियां का प्रयोग कि तरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जीकि उनत प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवाद प्रस्कर भाषा सा/मानले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायित ग्रंथ एवं पंचाट दीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :---

क्किकी इसोने ताल; की सेवा समाप्त की गई है त्या उसने स्वयं त्याग-पत्न दे कर नौकरी छोड़ी है ? इस बिन्दू पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?